unacademy

FALL OF RUPEE

Recently, the Indian rupee plunged to a fresh low of 77.63 in intraday trade against the U.S. dollar.

Rupee Exchange Rate

- The rupee's exchange rate **vis-à-vis the dollar** is essentially the number of rupees one needs to buy $1.

Determining Rupee's value

- The value of any currency is determined by the demand for the currency as well as its supply. When the supply of a currency increases, its value drops.
- On the other hand, when the demand for a currency increases, its value rises.
- In the wider economy, central banks determine the supply of currencies, while the demand for currencies depends on the amount of goods and services produced in the economy.

Currency Depreciation

- When a currency's value against other currencies weakens through market forces—that is, demand for and supply of foreign currency —it is called **depreciation**.
- On the other hand, if it is weakened through administrative action, it is **devaluation.**
  - While the process is different for depreciation and devaluation, there is no difference in terms of impact.

unacademy

Reasons that led to a slump in rupee value

- **Geopolitical risks:** Uncertain global conditions have triggered a risk appetite for the weakening of the rupee.
- A **sell-off** in the **global equity markets,** triggered by the hike in interest rates by the U.S. Federal Reserve.
- The war in Europe and growth concerns in China due to the COVID-19 surge.
- **US Fed Rate Hike:** The U.S. Federal Reserve has been raising its benchmark interest rate causing investors seeking higher returns to pull capital away from emerging markets such as India and back into the United States.
  - This, **in turn, has put pressure on emerging market currencies** which have depreciated significantly against the U.S. dollar.
- Increased import burden.

Implications of rupee depreciation

- **Expensive Imports:** Depreciation of the rupee is likely to **make imports more expensive** for India, which meets more than two-thirds of its domestic oil requirements through imports.
- **Higher Food Inflation:** India is also one of the top importers of edible oils. Thus, a weaker currency will further escalate imported edible oil prices and lead to **higher food inflation.**
- **Boost to Exports:** India's products become more competitive because depreciation makes these products cheaper for foreign buyers.
- **Widening Current Account Deficit:** The current account deficit is bound to widen, depleting foreign exchange reserves and weakening the rupee.

unacademy

रुपये के मूल्य में गिरावट

हाल ही में, भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इंट्राडे ट्रेड में 77.63 के नए निचले स्तर पर आ गया।

रुपया विनिमय दर

- डॉलर की तुलना में रुपये की विनिमय दर अनिवार्य रूप से रुपये की संख्या है जिसे किसी को $ 1 खरीदने की आवश्यकता होती है।

रुपये का मूल्य निर्धारित करना

- किसी भी मुद्रा का मूल्य मुद्रा की मांग के साथ-साथ उसकी आपूर्ति से निर्धारित होता है। जब किसी मुद्रा की आपूर्ति बढ़ती है, तो उसका मूल्य गिर जाता है।
- दूसरी ओर, जब किसी मुद्रा की मांग बढ़ती है, तो उसका मूल्य बढ़ जाता है।
- व्यापक अर्थव्यवस्था में, केंद्रीय बैंक मुद्रा की आपूर्ति का निर्धारण करते हैं, जबकि मुद्रा की मांग अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा पर निर्भर करती है।

मुद्रा मूल्यह्रास

- जब अन्य मुद्राओं के मुकाबले एक मुद्रा का मूल्य बाजार की ताकतों के माध्यम से कमजोर होता है - यानी विदेशी मुद्रा की मांग और आपूर्ति - इसे मूल्यह्रास कहा जाता है।
- दूसरी ओर, यदि प्रशासनिक कार्रवाई से इसे कमजोर किया जाता है, तो यह अवमूल्यन है।
  - जबकि मूल्यह्रास और अवमूल्यन के लिए प्रक्रिया अलग है, प्रभाव के संदर्भ में कोई अंतर नहीं है।

unacademy

रुपये के मूल्य में गिरावट के कारण

- **भू-राजनीतिक जोखिम:** अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों ने रुपये के कमजोर होने के लिए जोखिम उठाने की क्षमता पैदा कर दी है।
- अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण वैश्विक इक्विटी बाजारों में बिकवाली।
- यूरोप में युद्ध और चीन में विकास की चिंता COVID-19 के मामलों में वृद्धि के कारण ।
- **यूएस फेड रेट हाइक:** यू.एस. फेडरल रिजर्व अपनी बेंचमार्क ब्याज दर बढ़ा रहा है, जिससे निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों और संयुक्त राज्य अमेरिका में वापस पूंजी खींचने के लिए उच्च रिटर्न की मांग कर रहे हैं।
  - इसने, बदले में, उभरती बाजार मुद्राओं पर दबाव डाला है, जो अमेरिकी डॉलर के मुकाबले काफी मूल्यह्रास कर चुके हैं।
- आयात के बोझ में वृद्धि।

रुपये के मूल्यह्रास के निहितार्थ

- **महंगा आयात:** रुपये के मूल्यह्रास से भारत के लिए आयात अधिक महंगा होने की संभावना है, जो अपनी घरेलू तेल आवश्यकताओं के दो-तिहाई से अधिक को आयात के माध्यम से ही पूरा करता है।
- **उच्च खाद्य मुद्रास्फीति:** भारत भी खाद्य तेलों के शीर्ष आयातकों में से एक है। इस प्रकार, एक कमजोर मुद्रा आयातित खाद्य तेल की कीमतों को और बढ़ाएगी और उच्च खाद्य मुद्रास्फीति को बढ़ावा देगी।
- **निर्यात को बढ़ावा:** भारत के उत्पाद अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं क्योंकि मूल्यह्रास इन उत्पादों को विदेशी खरीदारों के लिए सस्ता बनाता है।
- **चालू खाता घाटा बढ़ाना:** चालू खाता घाटा में वृद्धि होने, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और रुपये को कमजोर करने के लिए बाध्य है।